



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 155]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 1, 2011/श्रावण 10, 1933

No. 155]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 1, 2011/SRAVANA 10, 1933

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 2011

फा.सं. 2-15015/30/2010 भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 (2006 का 34) की धारा 26 के साथ पठित धारा 92 की उप-धारा (2) के खण्ड (झ) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, खाद्य सुरक्षा एवं मानक विनियम, जहां तक वे खाद्य सुरक्षा और मानक (विक्रय पर प्रातःपेध एवं प्रतिबंध) विनियम, 2011 से संबंधित हैं, बनाने का प्रस्ताव करता है, और;

प्रारूप विनियम, भारत के राजपत्र, असाधारण भाग 3 खण्ड 4 में तारीख 20 अक्टूबर, 2010 को पृष्ठ 1 से 776 में समेकित रूप में प्रकाशित किये गये थे, जिसमें उस तारीख, जिसको उक्त अधिसूचना वाले राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध कराई गई थीं, से 30 दिन की अवधि के अवसान से पहले, उससे प्रभावित होने की संभावना वाले सभी व्यक्तियों से आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित किए गए थे;

और राजपत्र की प्रतियां 21 अक्टूबर, 2010 को जनता को उपलब्ध कराई गई थीं;

और उक्त प्रारूप विनियमों पर विनिर्धारित अवधि के अंदर पणधारियों से आक्षेप और सुझावों पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा विचार कर लिया गया है और उन्हें अंतिम रूप दे दिया गया है।

इसलिए अब भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :

खाद्य सुरक्षा और मानक (विक्रय प्रतिषेध और निर्बंधन)

विनियम, 2011

अध्याय 1

साधारण

भाग 1.1 : नाम और प्रारंभ

विनियम 1.1.1 : इन विनियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य सुरक्षा और मानक (विक्रय प्रतिषेध एवं निर्बंधन) विनियम, 2011 है।

विनियम 1.1.2 : ये विनियम 5 अगस्त, 2011 को या इसके पश्चात प्रवृत्त होंगे।

1.2 : परिभाषाएं—

इन नियमों से जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,

1. “संघटक” से कोई पदार्थ, जिसमें खाद्य विनिर्माण या निर्मिति में उपयोग किए जाने वाला खाद्य संयोज्य और जो अन्तिम उत्पाद में संभवतः उपांतरित रूप में विद्यमान है, अभिप्रेत है।

अध्याय 2

विक्रय पर प्रतिषेध और निर्बंधन

2.1 : कतिपय सम्मिश्रणों के विक्रय का प्रतिषेध

2.1.1 : लेबलीकरण और पैकेजिंग के 2.7 भाग के उपबंधों के होते हुए भी, कोई भी व्यक्ति या तो स्वयं या किसी सेवक या अधिकृत के द्वारा निम्नलिखित का विक्रय नहीं करेगा—

- (1) क्रीम जो दूध से आत्यंतिक रूप से निर्मित नहीं है या जिसमें दुग्ध वसा 25 प्रतिशत से कम है;
- (2) दूध जिसमें जल मिलाया गया जल अंतर्विष्ट है;
- (3) घी, जिसमें ऐसा कोई पदार्थ मिलाया गया है जो आत्यंतिक रूप से दुग्ध वसा से उद्भूत नहीं है;
- (4) दूध की जगह (वसा निष्कासित) मखनिया दूध;
- (5) खाद्य तेल के रूप में दो या दो से अधिक खाद्य तेल का मिश्रण;
- (6) वनस्पति जिसमें घी या कोई अन्य पदार्थ मिलाया गया है;
- (7) हल्दी जिसमें कोई विजातीय पदार्थ सम्मिलित है;
- (8) कासनी को छोड़कर काफी और किसी अन्य पदार्थ का मिश्रण;
- (9) दही जो उबाले हुए पास्टरीकृत या विसंक्रमित दुग्ध से तैयार नहीं किया गया है;

(10) सिवाए इन विनियमों में उपबंधित के खाद्य सुरक्षा और मानक (खाद्य सुरक्षा मानक और खाद्य योज्यक) विनियम, 2011 में विनिर्दिष्ट दूध या कोई दूध उत्पाद जिसमें कोई ऐसा पदार्थ सम्मिलित है जो दूध में मूलतः नहीं पाया जाता है।

परंतु केंद्रीय सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा काफी के विलेय निष्कर्षणों से बनाई गई निर्मितियों को इस नियम में प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

परंतु यह और कि विनियम 2.1.1(8) से संबंधित सांपत्तिक खाद्य वस्तुओं को इस विनियम के प्रवर्तन से छूट प्राप्त होगी।

परंतु यह भी कि विनियम 2.1.1 (5) की बाबत लाबी-बॉन्ड स्केल पर एक सेंटीमीटर सेल में 15.0 रेड यूनिट की अधिकतम सहायता तब अनुज्ञात है, जब तेल का तनुकरण के बिना, अर्थात् 5.0 मि.ली. के नमूने को 5.0 मि.ली. हाइड्रोक्लोरिक अम्ल (विनिर्दिष्ट घनत्व 1.10) तथा फरफ्यूरल के 2.0 प्रतिशत एल्कोहलिक घोल का 0.3 मि.ली. के साथ दो मिनट अच्छी हिलाकर और 5 मिनट उसी स्थिति में रखकर, बोडोयूइन परीक्षण के लिए परीक्षण किया जाता है।

परंतु यह भी कि विनियम 2.1.1(5) की बाबत लावी-बांड स्केल पर 1 सेंटीमीटर सेल में 10 रेड यूनिट की अधिकतम सह्यता तब अनुज्ञात है, जब तेल का तनुकरण के बिना हाल्फेन के परीक्षण के लिए परीक्षण किया जाता है, अर्थात् 5 मिली लीटर के नमूने को 5 मि.लि. सल्फर घोल (एमाइन एल्कोहाल की समान मात्रा के साथ मिश्रित कार्बन डाइसल्फाइड में सल्फर का एक प्रतिशत (भाग/आयतन) के साथ संवृत तंत्र परीक्षण नली (250 x 25 सें. मी.) में हिलाकर, कुछ मिनट के लिए ऊष्ण जल (70° सें.-800° सें.) में उसे बीच-बीच में हिलाकर तब तक गर्म किया जाएगा जब तक कि कार्बन डाइसल्फाइड अपव्यथित न हो जाए और नमूने में फेन बंद न हो जाए वहां तत्पश्चात् नली ऐसे संतुप्त लवण जल वात (सेच्युरेटेड ब्राइन वात) पर रखी जाएगी जो 2.5 घंटे तक 110° सें. - 115° सें. में विनियमित किए जाने योग्य है।

परंतु यह भी कि विनियम 2.1.1(5) में प्रतिषेध ऐसे दो वनस्पति तेलों के अधिमिश्रण के खाद्य वनस्पति तेल के रूप में मामले में अप्रवर्तनीय रहेगा, जहां-

(क) अधिमिश्रण में प्रयोग किए गए किसी खाद्य वनस्पति तेल का भार के अनुसार अनुपात 20 प्रतिशत से कम न हो; और

(ख) खाद्य वनस्पति तेलों के अधिमिश्रण का संसाधन या पैकिंग और विक्रय भारत सरकार के नागरिक आपूर्ति विभाग (वनस्पति, वनस्पति तेल और वसा निदेशालय) द्वारा या विभाग द्वारा प्राधिकृत पब्लिक, प्राइवेट या मिश्रित सेक्टर में अभिकरणों द्वारा या राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड द्वारा या राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड, तिलहन और वनस्पति तेल परियोजना के अधीन स्थापित राज्य सहकारी तिलहन ग्रावर्स फेडरेशन या क्षेत्रीय और जिला सहकारी तिलहन/ग्रावर्स संघ द्वारा या केंद्रीय और राज्य सरकार के पब्लिक सेक्टर उपक्रमों द्वारा, ऐसे सील किए गए पैकेजों में जिनका भार 15 कि.ग्रा. से अधिक न हो, अनिवार्य रूप से एग्मार्क प्रमाणन चिह्न के अधीन और जिस पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक (पैकेजिंग एवं लेबलिंग) विनियम, 2011 के विनियम 2.4.2(II) में यथा विनिर्धारित घोषणा लेबल के साथ किया जाता होय और

(ग) अधिमिश्रण में प्रयोग किए गए प्रत्येक खाद्य तेल की क्वालिटी, इन विनियमों द्वारा विहित सुसंगत मानकों के अनुरूप हो।

2.2 कतिपय संघटकों के उपयोग पर निर्बंधन :

2.2.1 किसी राज्य में कोई व्यक्ति ऐसी तारीख से, जो संबंधित राज्य सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, इस निमित्त विनिर्दिष्ट करे, निम्नलिखित का विक्रय नहीं करेगा या विक्रय के लिए प्रस्थापित या अभिदर्शित नहीं करेगा या किसी वर्णन के अधीन विक्रय के प्रयोजन के लिए या विक्रय के लिए आशयित किसी खाद्य पदार्थ की विनिर्मिति के संघटक के रूप में प्रयोग करने के लिए अपने कब्जे में नहीं रखेगा :-

- (क) केसरी चना (लेथिरस सेटाइवस) और इसके उत्पाद,
- (ख) केसरी दाल (लेथिरस सेटाइवस) और इसके उत्पाद,
- (ग) केसरी दाल आटा (लेथिरस सेटाइव) और इसके उत्पाद,
- (घ) केसरी चना (लेथिरस सेटाइवस) बंगाल चना (सीसर एरिटिनम) या किसी अन्य चने का सम्मिश्रण,
- (ङ) केसरी दाल (लेथिरस सेटाइवस) और बंगाल चना दाल (सीसर एरिटिनम) या किसी अन्य दाल का सम्मिश्रण,
- (च) केसरी दाल (लेथिरस सेटाइवस) आटा और बंगाल चना (सीसर एरिटिनम) आटा या किसी अन्य आटे का सम्मिश्रण,

स्पष्टीकरण - कुछ भारतीय भाषाओं में केसरी चना के समानार्थी निम्न प्रकार हैं :-

- | | |
|-------------|--|
| 1. असमिया | खेसरी, त्योरा। |
| 2. बंगला | खेसरी, त्योरा, मसूर, बतूरा। |
| 3. बिहारी | खेसारी, त्योरा, मसूर, बतूरा। |
| 4. अंग्रेजी | चिकलिंग वैच। |
| 5. गुजराती | लांग। |
| 6. हिंदी | खेसरी, कसूर, कसारी, कसार, तिवरी, बतूरा, चपरी, दुबिया, कन्सारी, कसोरी, लतरी, तिनरा, तिउरी, कसोरा। |
| 7. कन्नड | लाकी बैल, केसरी बैल। |

8. मलयालम	केसरी, लाकी, वाटू
9. तमिल	मूकू।
10. मराठी	लखेरी, बतरी, लावी, लांग, मुतरा, त्योरा, बतरोली की दाल, लाख।
11. उड़िया	खेसरा, खेसरी, खेसारी दाल।
12. फारसी	मसांग।
13. पंजाबी	किसारी, चूरल, करस, करिल, कासा, केसरी, चापा।
14. संस्कृत	संडिका, त्रिपुती।
15. सिंधी	मटेर।
16. तेलुगू	लमका।

2.3 कतिपय उत्पादों के विक्रय पर प्रतिषेध और निर्बंधन

2.3.1 खनिज तेल से विलेपित खाद्य वस्तुओं के विक्रय पर प्रतिषेध :

कोई व्यक्ति, ऐसी खाद्य वस्तुओं का, जो खनिज तेल से विलेपित हैं, सिवाय तब के जब खनिज तेल का मिलाया जाना इन विनियमों और खाद्य सुरक्षा और मानक (खाद्य उत्पाद मानक और खाद्य योगज) विनियम, 2011 के अध्याय 5 में विनिर्धारित मानकों के अनुसार अनुज्ञात किया जाता है, विक्रय नहीं करेगा या उन्हें विक्रय के लिए प्रस्थापित या अभिदर्शित नहीं करेगा या किसी भी वर्णन के अधीन विक्रय के प्रयोजन के लिए अपने परिसर में नहीं रखेगा।

2.3.2 कार्बिया केलोसा और मधु बिंदु के विक्रय पर निर्बंधन :

कार्बिया केलोसा और मधु बिंदु एगमार्क के मुहरबंद आधानों में ही बेचे जाएंगे।

2.3.3 मधु के सदृश खाद्य को जो शुद्ध मधु नहीं है, मधु के रूप में चिह्नित नहीं किया जाएगा :

कोई व्यक्ति किसी ऐसे खाद्य के जो मधु के सदृश है किंतु मधु नहीं है, लेबल या किसी पैकेज पर या उसके किसी विज्ञापन पर 'मधु' शब्द का या किसी ऐसे शब्द, चिह्न, दृष्टांत या युक्ति का प्रयोग नहीं करेगा जो मधु को इंगित करता है।

2.3.4 : उत्पाद में ऐसा कोई पदार्थ नहीं होगा जो स्वास्थ्य के लिए हानिकर है :

किसी खाद्य उत्पाद में संघटकों के रूप में तंबाकू और निकोटीन का उपयोग नहीं किया जाएगा।

2.3.5 : फलों को पकाने में कार्बाइड गैस के प्रयोग पर प्रतिषेध :

कोई भी व्यक्ति ऐसे फलों का, जो कार्बाइड के रूप में सामान्य रूप से ज्ञात एसीटिलीन गैस का प्रयोग करके कृत्रिम रूप से पकाए गए हैं विक्रय नहीं करेगा या विक्रय के लिए प्रस्थापित या अभिदर्शित नहीं करेगा या किसी भी वर्णन के अधीन विक्रय के प्रयोजन के लिए अपने कब्जे में नहीं रखेगा।

2.3.6 : ताजे फलों और सब्जियों का विक्रय :

ताले फल और सब्जियां गली-सड़ी नहीं होंगी और मोम, खनिज तेल और रंगों के आलेपन से मुक्त होंगी।

परंतु ताजे फल मधुमक्खी के मोम सफेद और पीले या शैल मोम से खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग और लेबलिंग) विनियम, 2011 के विनियम 2.4.5(44) में यथा उपबोधित उचित लेबल घोषणा के अधीन उत्तम विनिर्माण पद्धति के स्तर से अनधिक स्तर तक आलेपित किया जा सकेगा।

2.3.7 : घी या मक्खन के सम्मिश्रण का विक्रय या विक्रय के लिए प्रयोग का प्रतिषेध :

कोई व्यक्ति घी या मक्खन के मिश्रण का और ऐसे किसी पदार्थ का, जो

(1) घी या मक्खन की नकल के रूप में या उसके स्थान पर तैयार किया गया है, या

(2) जिसमें ऐसा कोई तेल या वसा सम्मिलित या अंतर्विष्ट है जो घी की परिभाषा के अनुरूप ही नहीं है, विक्रय नहीं करेगा या विक्रय के प्रयोजन के लिए या किसी खाद्य पदार्थ की निर्मिति में संघटक के रूप में प्रयोग के लिए अपने कब्जे में नहीं रखेगा;

परंतु जहां इस नियम द्वारा प्रतिषिद्ध मिश्रण किसी खाद्य पदार्थ की तैयारी के लिए अपेक्षित है वहां ऐसा सम्मिश्रण ऐसे खाद्य पदार्थ को तैयार करने के समय ही बनाया जाएगा।

2.3.8 : जिस क्षेत्र में घी का विक्रय किया जाता है उस क्षेत्र के लिए विनिर्दिष्ट राईकर्ट मान से कम के घी के विक्रय पर निर्बंधन;

(1) उस घी का, जिसमें उससे कम राईकर्ट मान है और जो 40° से. पर बूटाइरे रिफ्रेक्टोमीटर पठन के लिए उससे भिन्न मानक का है जो उस क्षेत्र के लिए, जिसमें घी का विक्रय या भंडारकरण के लिए आयात किया जाता है, विनिर्दिष्ट किया गया उस क्षेत्र में विक्रय या भंडारकरण 'एमार्क' की सील के अधीन ही किया जाएगा, अन्यथा नहीं।

परंतु ऐसा घी - (i) 'एमार्क' के मुहरबंद आधान को खोलने के पश्चात् एक समय पर अधिक से अधिक दो किलोग्राम की मात्रा में खुला हुआ बेचा जा सकेगा, और (ii) कन्फैक्शनरी (जिसके अंतर्गत मिठाइयां भी हैं) तैयार किए जाने में प्रयोग किया जा सकेगा।

(2) ऐसा व्यक्ति जो -

(i) ऐसे घी का विनियम 2.3.8 (1) में विनिर्दिष्ट रीति में विक्रय करता है, और

(ii) ऐसा कन्फैक्शनरी (जिसके अंतर्गत मिठाइयां भी हैं) का, विक्रय करता है जिसको तैयार करने में ऐसे घी का प्रयोग किया जाता है, प्ररूप 'क' में एक घोषणा खाद्य निरीक्षक उस समय देगा जब वह अधिनियम की धारा 47 के अधीन उसका एक नमूना विश्लेषण के लिए लेता है और अधिनियम की धारा 40 के अधीन नमूने का विश्लेषण कराने की वांछा रखने वाले क्रेता को भी देगा।

(iii) यदि विश्लेषण पर ऐसे नमूने के बारे में यह पाया जाता है कि वह उस क्षेत्र के लिए विहित क्वालिटी के मानकों के अनुरूप है जहां उसको उत्पादित किए जाने का अभिकथन किया जाता है तो घी को केवल इस कारण अपमिश्रित नहीं समझा जाएगा कि वह उस क्षेत्र के लिए, जहां वह बेचा जाता है, विहित क्वालिटी के मानकों के अनुरूप नहीं है।

2.3.9 : त्रिपुरा, असम और पश्चिमी बंगाल में उत्पादित तिल के तेल के विक्रय पर निर्बंधन;

त्रिपुरा, असम और पश्चिमी बंगाल में उगाए गए सफेद तिल के बीज से प्राप्त तिल का तेल जिसके मानक तिल के तेल के लिए विनिर्दिष्ट मानक से भिन्न हैं एमार्क के लेबल लगे मुहरबंद आधानों में बेचा जाएगा। जहां इस तिल के तेल का विक्रय एमार्क का लेबल लगाए बिना किया जाएगा या विक्रय के लिए प्रस्थापित किया जाएगा वहां तिल के तेल के लिए दिया गया मानक लागू होगा।

2.3.10 कांगड़ा चाय के विक्रय पर निर्बंधन :

कांगड़ा चाय का विक्रय या उसे विक्रय के लिए प्रस्थापित कृषि उत्पाद (श्रेणीकरण और चिह्नांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार उसका श्रेणीकरण और चिह्नांकन करने के पश्चात् ही किया जाए।

2.3.11 सुवासक चाय के विक्रय के लिए शर्त :

सुवासक चाय केवल उन विनिर्माताओं द्वारा विक्रय की जाएगी या विक्रय के लिए प्रस्थापित की जाएगी, जो चाय बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत हैं। लेबल पर रजिस्ट्रेशन संख्या का उल्लेख किया जाएगा। यह खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग और लेबलिंग) विनियम, 2011 के विनियम 2.4.5 (23) में यथा उपबंधित लेबल पर घोषणा के साथ केवल पैक की गई दशाओं में बेची जाएगी।

2.3.12 सामान्य नमक के विक्रय पर निर्बंधन :

कोई भी व्यक्ति तब तक सामान्य नमक की विक्रय नहीं करेगा या विक्रय के लिए प्रस्थापना नहीं करेगा या विक्रय के प्रयोजन के लिए उसे अपने परिसर में नहीं रखेगा जब तक कि उसे सीधे मानव उपभोग के लिए आयोडीन युक्त नहीं बना दिया जाता है :

परंतु सामान्य नमक का, खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग और लेबलिंग) विनियम, 2011 के विनियम 2.4.5 (21 और 42) में यथा विनिर्दिष्ट उचित लेबल घोषणा के अधीन आयोडीनिकरण, लौह प्रबलीकरण, पशु उपयोग, परिरक्षण, औषधि विनिर्माण और औद्योगिक उपयोग के लिए विक्रय किया जा सकेगा या उसे विक्रय के लिए रखा जा सकेगा या विक्रय के लिए भंडारित किया जा सकेगा।

2.3.13 प्राकृतिक रूप से मृत पशुओं या कुक्कुटादि के मांस के उपयोग का प्रतिषेध :

कोई भी व्यक्ति किसी ऐसे पशु या कुक्कुटादि का जिसकी प्राकृतिक कारणों से मृत्यु हो गई है, विक्रय नहीं करेगा या विक्रय के लिए आशयित किसी खाद्य पदार्थ को तैयार करने में संघटक के रूप में प्रयोग नहीं करेगा।

2899 GI/11-2

2.3.14 विक्रय और अनुज्ञप्ति की शर्तें :

1. कोई भी व्यक्ति उन्हीं परिसरों में जिनमें खाद्य पदार्थ भंडारकृत, विनिर्मित या विक्रय के लिए रखे जाते हैं, कोई कीटनाशी भंडारकृत नहीं करेगा, विक्रय के लिए नहीं रखेगा या उनका विक्रय अनुज्ञात नहीं करेगा :

परंतु इस उपनियम की कोई भी बात उन अनुमोदित घरेलू कीटनाशियों को लागू नहीं होगी जो कीटनाशी अधिनियम, 1968 (1968 का 46) के अधीन उस रूप में रजिस्ट्रीकृत किए गए हैं।

स्पष्टीकरण : इस उपनियम के प्रयोजन के लिए 'कीटनाशी' शब्द का वही अर्थ है जो उसका कीटनाशी अधिनियम, 1968 (1968 का 46) में है।

2. कोई व्यक्ति किसी 'वाणिज्यिक स्थापन' में खानपान और कटलरी में प्रयुक्त प्लास्टिक वस्तुओं में खाद्य का तब तक न तो विक्रय करेगा न ही उसे परोसेगा जब तक कि खानपान और कटलरी वस्तुओं में प्रयुक्त प्लास्टिक सामग्री इन विनियमों में विनिर्दिष्ट खाद्य श्रेणी प्लास्टिक के अनुरूप नहीं है।

स्पष्टीकरण : विनियम 2.3.14(2) के प्रयोजन के लिए, 'वाणिज्यिक स्थापन' से अभिप्रेत है किसी भी नाम से ज्ञात कोई ऐसा स्थापन जो/जिसका किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा या किसी ऐसे सरकारी/अर्ध सरकारी प्राधिकरण द्वारा या किसी ऐसे निगमित/रजिस्ट्रीकृत निकाय द्वारा चलाया जा रहा है/ प्रबंध किया जा रहा है, जो खाद्य का विक्रय करने या उसे परोसने के कारबार में लगा हुआ है।

3. लौह प्रबलित सामान्य नमक का विक्रय केवल उच्च घनत्व वाले पालिथिलीन लिफाफे (एचडीपीई) (14 मेश, घनत्व 100 कि.ग्रा./एम³ अलेमिनेटेड) के पैकेज में किया जाएगा जिस पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक (पैकेजिंग एवं लेबलिंग) विनियमावली, 2011 के विनियम 2.4.5 (21 और 42) में यथा विनिर्दिष्ट लेबल लगा होगा।

4. कोई भी व्यक्ति सिवाय भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न के अधीन ऐसे किसी शिशु दुग्ध आहार, शिशु फार्मूला और दुग्ध अनाज आधारित अपस्तर आहार का विनिर्माण, विक्रय भंडारण या विक्रय के लिए प्रदर्शन नहीं करेगा।

5. संघनित मधुरित दूध, संघनित मखनिया मधुरित दूध, दुग्ध चूर्ण, मखनिया दुग्ध चूर्ण, भागत: मखनिया दुग्ध चूर्ण और भागत: मखनिया मधुरित संघनित दूध भारतीय मानक संस्थान प्रमाणन चिह्न के सिवाय नहीं बेचा जाएगा।

6. नाइट्रामाईसिन से उपचारित सतह वाले पनीर (कटोर) के प्रत्येक पैकेज पर खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग और लेबलिंग) विनियम, 2011 के विनियम 2.4.5 (33) में यथा विनिर्दिष्ट लेबल लगा होगा।

7. कोई व्यक्ति प्रोटीनयुक्त आटा और प्रोटीनयुक्त मैदा का विक्रय, लेबल पर संघटकों के नाम का उल्लेख करते हुए पैक की हुई हालत में ही करेगा, अन्यथा नहीं।

8. कोई भी व्यक्ति बेकरी और कन्फैक्शनरी से भिन्न किसी प्रयोजन के लिए साल बीज वसा का विक्रय नहीं करेगा और यह परिष्कृत होगा तथा उस में खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग और लेबलिंग) विनियम, 2011 के विनियम 2.4.5(19) में यथा विनिर्दिष्ट घोषणा का लेबल लगा होगा।

9. कोई भी व्यक्ति भार में 500 ग्राम से अधिक कन्फैक्शनरी का पैक रूप में ही विक्रय करेगा अन्यथा नहीं और टुकड़ों में विक्रय की जाने वाली कन्फैक्शनरी को शीशे के या अन्य उपयुक्त आधानों में रखेगा।

स्पष्टीकरण : विनियम 2.3.16(9) के प्रयोजनों के लिए 'कन्फैक्शनरी' से चीनी क्वथित कन्फैक्शनरी और लोजेज और चयूंहग गम तथा बबलगम अभिप्रेत है।

10. सभी खाद्य तेलों के सिवाय नारियल के तेल के, जो कच्चे, असंस्कृत या अपरिष्कृत रूप में आयात किए गए हैं, मानवीय उपभोग के लिए विक्रय किए जाने के पहले परिष्करण किया जाएगा। ऐसे तेलों पर खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग और लेबलिंग) विनियम, 2011 के विनियम 2.4.2 में अधिकथित अनुसार लेबल घोषणा लगाई जाएगी।

11. सम्मिश्रित खाद्य वनस्पति तेलों का विक्रय खुली अवस्था में नहीं किया जाएगा। इसका विक्रय ऐसे सील किए गए पैकेजों में किया जाएगा जिनका भार 15 कि.ग्रा. से अधिक न हो। इसका विक्रय सम्मिश्रण में प्रयोग किए गए तेल के सामान्य या वंश नाम से भी नहीं किया जाएगा बल्कि इसका विक्रय 'सम्मिश्रित खाद्य वनस्पति तेल' के रूप में किया जाएगा। सील किए गए पैकेजों का विक्रय या विक्रय के लिए प्रस्थापना खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग और लेबलिंग) विनियम, 2011 के विनियम 2.4.2 विनियमों के अधीन अन्य लेबल अपेक्षाओं के अतिरिक्त के उपबंधों के अनुसार घोषणा लेबल पर एमार्क प्रमाण चिह्न के अधीन की जाएगी।

12. रजित और सुरुचिकारक मारगरीन का विक्रय केवल ऐसे मोहर बंद पैकेज में किया जाएगा जिसका भार 500 ग्राम से अधिक न हो और जिस पर ऐसा लेबल लगा होगा जिसमें नियमों के अधीन अपेक्षित रंग और सुरुचिकारक मिलाए जाने की घोषणा की गई हो।

13. फ़ैट ग्रैड का खुले रूप में विक्रय नहीं किया जाएगा। इसका 500 ग्राम से अनधिक वजन के मुहरबंद पैकेजों में विक्रय किया जाएगा। उत्पाद पर लेबल लगाते समय 'मक्खन' शब्द को सहब) नहीं किया जाएगा। मुहरबंद पैकेजों का विक्रय या विक्रय के लिए प्रस्थापना इन नियमों के अधीन अन्य लेबल लगाने की अपेक्षाओं के अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा एवं मानक (पैकेजिंग एवं लेबलिंग) विनियमावली, 2011 के विनियम 2.4.2 के उपबंधों के अनुसार घोषणा लेबल पर एमार्क प्रमाणन चिह्न के अधीन ही की जाएगी।

14. कोई भी व्यक्ति एक किलोग्राम वजन से अधिक की मिश्रित हींग (एसफोटिडा) का विक्रय लेबल लगे मुहरबंद आधान में ही करेगा, अन्यथा नहीं।

15. कोई व्यक्ति चूर्णित मसाले का विक्रय पैक दशा में ही करेगा, अन्यथा नहीं।

स्पष्टीकरण : विनियम 2.3.16(15) के प्रयोजन के लिए, 'मसाले' से और 'गर्म मसाले' खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग और लेबलिंग) विनियम, 2011 के भाग 2.9 में विनिर्दिष्ट मसाले और गर्म मसाले अभिप्रेत हैं।

16. भट्टी पद्धति से तैयार किए गए कथे पर भट्टी कथा सहजदृश्य रूप से अंकित किया जाएगा।

17. कोई व्यक्ति भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न के अधीन के सिवाय पैकेजबंद पेय जल का विनिर्माण, विक्रय या विक्रय के लिए प्रदर्शन नहीं करेगा।

18. कोई व्यक्ति भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न के अधीन के सिवाय खनिज जल का विनिर्माण, विक्रय या विक्रय के लिए प्रदर्शन नहीं करेगा।

स्पष्टीकरण : विनियम 2.3.14(18) के प्रयोजन के लिए 'खनिज जल' अभिव्यक्ति का वही अर्थ होगा जो कि इसका खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग और लेबलिंग) विनियम, 2011 के अध्याय 2.9.7 में है।

19. कोई व्यक्ति खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग और लेबलिंग) विनियम, 2011 के विनियम 2.4.5 (24, 25, 26, 28 और 29) में विहित पैक करने की शर्तों और लेबल लगाने की अपेक्षाओं के अनुसार के सिवाय किसी ऐसे खाद्य पदार्थ का विक्रय नहीं करेगा जिसमें इनमें विनियमों के अधीन कृत्रिम मधुकारक मिलाया जाना अनुज्ञात है।

20. किरणित खाद्य के विक्रय के लिए शर्तें : सभी किरणित खाद्य पूर्व पैक की गई अवस्थाओं में ही विक्रय किया जाएगा। विक्रय के लिए या विक्रय के लिए स्टॉक करने के लिए या विक्रय के लिए प्रदर्शन के लिए या विक्रय के लिए भंडारण के लिए किरणित खाद्य के लिए प्रयुक्त पैक करने की सामग्री का प्रकार खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग और लेबलिंग) विनियम, 2011 के विनियम 2.4.4 में विनिर्दिष्ट पैक करने और लेबल लगाने की अपेक्षाओं के अनुरूप होगा।

2.3.15 वनस्पति तेल और वसा से संबंधित विशेष उपबंध :

(1) कोई व्यक्ति किसी ऐसे खाद्य तेल का विक्रय के प्रयोजन के लिए किसी व्यक्ति को विक्रय या विक्रय के लिए अभिदर्शन नहीं करेगा, या वितरण नहीं करेगा, या विक्रय के लिए प्रस्थापना नहीं करेगा, या प्रेषण या परिदान नहीं करेगा, जो -

(क) खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 (2006 का 34) और तीन बनाए गए नियमों / विनियमों में यथा उपबंधित गुण के मानकों के अनुरूप नहीं है; और

(ख) भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक अधिकरण के विनियमों में यथा विनिर्दिष्ट रीति में किसी आधान में पैक नहीं किया गया है, चिह्नित नहीं किया गया है और लेबल नहीं लगाया गया है;

परंतु राज्य सरकार, लोक हित में, उन कारणों से जो लेखबद्ध किए जाएं, विशिष्ट परिस्थितियों में और किसी विशिष्ट अवधि के लिए, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा किसी खाद्य तेल को इस अधिनियम के उपबंधों से छूट दे सकती।

(2) किसी वनस्पति तेल में कोई अपहानिकर रंजक, सुवासक या स्वास्थ्य के लिए हानिकर कोई अन्य पदार्थ नहीं होगा;

(3) नीचे दी गई सूची में विनिर्दिष्ट से भिन्न किसी वनस्पति तेल या तेल या पशु की वसा या खनिज उत्पत्ति का उत्पादों के विनिर्माण में उपयोग नहीं किया जाएगा या इनमें अन्यथा विद्यमान नहीं होगा;

वनस्पति तेलों की सूची और वनस्पति, जिससे यह तैयार किया जाएगा :

- (क) नारियल का तेल
- (ख) बिनौले का तेल
- (ग) धूपा का तेल
- (घ) मूंगफली का तेल
- (ङ) कोकरम का तेल
- (च) तीली का तेल
- (छ) महुआ का तेल
- (ज) भक्का का तेल
- (झ) आम की गुठली का तेल
- (ञ) सरसों / तोरिया का तेल
- (ट) सर्जिया का तेल
- (ठ) ताड़ का तेल
- (द) फलवाड़ा का तेल
- (ड) चावल चोकर तेल
- (ण) सूरजमुखी (कार्ड/बीज) का तेल
- (त) साल के बीज का तेल (10 प्रतिशत तक)
- (थ) शीशम का तेल
- (द) सोयाबीन का तेल
- (ध) सूरजमुखी का तेल
- (न) तरबूज के बीज का तेल
- (प) खाद्य प्रयोजनों के लिए आयातित वनस्पति तेल :

(4) हाइड्रोजनीकृत वनस्पति तेल में कोई रंग तब तक नहीं मिलाया जाएगा जब तक कि खाद्य प्राधिकरण द्वारा ऐसा किया जाना प्राधिकृत न किया जाए, किंतु किसी भी स्थिति में घी के रंग के सदृश कोई रंग नहीं मिलाया जाएगा। यदि किसी सुवास का उपयोग अनुज्ञेय सुवासों की सूची के अनुसार और ऐसी मात्रा में, जो खाद्य प्राधिकरण द्वारा विहित की जाए, किया गया है तो यह घी से भिन्न होगा।

(5) किसी वनस्पति तेल में कोई प्रति-आक्सीकारक, सहक्रियात्मक, पायसीकारक या कोई अन्य ऐसा पदार्थ सिवाय केंद्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति के नहीं मिलाया जाएगा।

(6) विलायक के उपयोग पर निर्बंधन

एन-हक्सेन से भिन्न किसी विलायक का उपयोग कोका बटर, तेल, वसा और खाद्य सोया आटा के निष्कर्षण में नहीं किया जाएगा।

नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ (1) में वर्णित विलायक की मात्रा, उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में वर्णित खाद्य में उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में विहित सहाय सीमाओं से अधिक नहीं होगी :

सारणी

विलायक कानाम	खाद्य पदार्थ	सहाय्य सीमा मि.ग्रा. / कि.ग्रा./ (पीपीएम)
हक्सेन (खाद्य श्रेणी)	(क) परिष्कृत विलायक निष्कर्षित कोका बटर	5.00
	(ख) परिष्कृत विलायक निष्कर्षित तेल और वसा	5.00
	(ग) विलायक निष्कर्षित खाद्य सोया आटा	10.00

प्ररूप क

(विनियम 2.3.8(2) देखें)

घोषणा

मैं/हम -----की ओर से सत्यानिष्ठा से यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मेरे/हमारे द्वारा कन्फैक्शनरी (मिठाइयों सहित) -----की ओर से विक्रय किया गया घी /-----की ओर से मेरे/हमारे द्वारा प्रयुक्त किया गया घी -----टिन का-----का बनाया हुआ घी है/था जिसमें ☐ एमार्क मुहर है/थी। उक्त टिन बीजक/नकद/उधार ज्ञापन के अनुसार श्री/श्रीमती/कुमारी/सर्वश्री -----के बैच संख्यांक सं संबंधित है।

सं.-----तारीख-----

व्यापारी/व्यापारियों के हस्ताक्षर

तारीख-----

स्थान-----

वी. एन. गौड़, मुख्य कार्यकारी अधिकारी

[विज्ञापन III/4/187-ओ/11/असा.]

2899 GI/11-3

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE**(Food Safety and Standards Authority of India)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 1st August, 2011

F.No. 2-15015/30/2010 Whereas in exercise of the powers conferred by clause (1) of subsection (2) of section 92 read with section 26 of Food Safety and Standards Act, 2006 (34 of 2006) the Food Safety and Standards Authority of India proposes to make Food Safety and Standards Regulations in so far as they relates to Food Safety and Standards (Prohibition and Restrictions on sales) Regulations, 2011, and;

Whereas these draft Regulations were published in consolidated form at pages 1 to 776 in the Gazette of India Extraordinary Part III – Sec. 4 dated 20th October 2010 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of the period of thirty days from the date on which the copies of the Gazette containing the said notification were made available to the public;

And whereas the copies of the Gazette were made available to the public on the 21st October 2010;

And whereas objections and suggestions received from the stakeholders within the specified period on the said draft Regulations have been considered and finalized by the Food Safety and Standards Authority of India.

Now therefore, the Food Safety and Standards Authority of India hereby makes the following Regulations, namely,—

FOOD SAFETY AND STANDARDS (PROHIBITION AND RESTRICTIONS ON SALES) REGULATIONS, 2011**CHAPTER 1****GENERAL****1.1: Title and commencement-**

1.1.1: These regulations may be called the Food Safety and Standards (Prohibition and Restrictions on sales) Regulations, 2011.

1.1.2: These regulations shall come into force on or after 5th August.

1.2: Definitions-

In these regulations unless the context otherwise requires:

1. “ingredient” means any substance, including a food additive used in the manufacture or preparation of food and present in the final product, possibly in a modified form;

CHAPTER 2**PROHIBITION AND RESTRICTIONS ON SALES****2.1 Sale of certain admixtures prohibited**

2.1.1 Notwithstanding the provisions of 2.7 of labelling and packaging regulations no person shall either by himself or by any servant or agent sell—

(1) cream which has not been prepared exclusively from milk or which contains less than 25 per cent. of milk fat;

(2) milk which contains any added water;

(3) ghee which contains any added matter not exclusively derived from milk fat;

(4) skimmed milk (fat abstracted) as milk;

(5) a mixture of two or more edible oils as an edible oil;

(6) vanaspati to which ghee or any other substance has been added;

(7) turmeric containing any foreign substance;

(8) mixture of coffee and any other substance except chicory;

(9) dahi or curd not prepared from boiled, pasteurised or sterilized milk;

(10) milk or a milk product specified in Food Safety and Standards (Food Products Standards and Food Additives) regulations, 2011 containing a substance not found in milk, except as provided in the regulations.

Provided that the Central Government or the Food Authority may, by notification in the Official Gazette exempt any preparations made of soluble extracts of coffee from the operation of this regulation.

Provided further that proprietary food articles relating to Regulation 2.1.1(8) shall be exempted from the operation of this Regulation

Provided further that in respect of regulation 2.1.1(5), a maximum tolerance of 15.0 red units in 1 cm. Cell of Lovibond scale is permitted when oil is tested for Boudouin test without dilution that is to say by shaking vigorously for 2 minutes, 5 ml. Of the sample with 5 ml. of the hydrochloric acid (specific gravity 1.19) and 0.3 ml. of 2 percent alcoholic solution of furfural and allowing to standing for 5 minutes.

Provided further that in respect of Regulation 2.1.1(5) a maximum tolerance limit of 10 red units in one cm. cell on Lovibond scale is permitted when the oil is tested for Halphen's test without dilution, that is to say, by shaking 5 ml. of the sample with 5 ml. of sulphur solution (one per cent (w/v) solution of sulphur in carbon-di-sulphide mixed with equal volume of amyl alcohol), in a closed system (test tube 250 x 25 Cm.) heating in hot water (70°C- 80°C) for a few minutes with occasional shaking until carbon-di-sulphide is boiled off and the sample stops foaming and then placing the tube on saturated brine bath, capable of being regulated at 110°C-115°C for 2.5 hours

Provided also that prohibition in Regulation 2.1.1 (5) shall remain inoperative in respect of admixture of any two edible vegetable oils as one edible vegetable oil, where –

(a) the proportion by weight of any vegetable oil used in the admixture is not less than 20 per cent. by weight; and

(b) the admixture of edible vegetable oils, is processed or packed and sold, by the Department of Civil Supplies, Government of India (Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils and Fats) or by the agencies in public, private or Joint Sector authorized by the Department, or by the National Dairy Development Board or by the State Cooperative Oilseeds Growers Federation or Regional and District Cooperative Oilseeds Growers Union set up under National Dairy Development Board's Oilseeds and Vegetable Oil Project or by the Public Sector undertakings of Central and State Governments, in sealed packages weighing not more than 15 litres under Agmark Certification Mark compulsorily and bearing the label declaration as laid down in the Regulation 2.4.2 (11) of Food Safety and Standards (Packaging and Labelling) Regulations, 2011 and

(c) the quality of each edible oil used in the admixture conforms to the relevant standard prescribed by these regulations.

2.2: Restriction on use of certain ingredient:

2.2.1: No person in any State shall, with effect from such date as the state government concerned may by notification in the official gazette specify in this behalf, sell or offer or expose for sale, or have in his possession for the purpose of sale, under any description or for use as an ingredient in the preparation of any article of food intended for sale:—

(a) Kesari gram (*Lathyrus sativus*) and its products.

(b) Kesari dal (*Lathyrus sativus*) and its products.

(c) Kesari dal flour (*Lathyrus sativus*) and its products.

(d) A mixture of Kesari gram (*Lathyrus sativus*) and Bengal-gram (*Cicer arietinum*) or any other gram.

(e) A mixture of Kesari dal (*Lathyrus sativus*) and Bengal-gram dal (*Cicer arietinum*) or any other dal.

(f) A mixture of Kesari dal (*Lathyrus sativus*) flour and Bengal-gram (*Cicer arietinum*) flour or any other flour.

Explanation.—The equivalent of kesari gram in some of the Indian Languages are as follows:—

- | | |
|-------------|---------------------------------|
| 1. Assamese | Khesari, Teora. |
| 2. Bengali | Khesari, Teora, Kassur, Batura. |
| 3. Bihari | Khesari, Teora, Kassur, Batura. |
| 4. English | Chikling vetch. |
| 5. Gujarati | Lang. |

6.	Hindi	Khesari, Kessur, Kesari, Kassartiuri, Batura, Chapri, Dubia, Kansari, Kesori, Latri, Tinra, Tiuri, Kassor.
7.	Kannada	Laki Bele, Kessari Bele.
8.	Malayalam	Kesari, Lanki, Vattu.
9.	Tamil	Muku.
10.	Marathi	Lakheri, Batri, Lakhi, Lang, Mutra, Teora, Botroliki-dal, Lakh.
11.	Oriya	Khesra, Khesari, Khesari dal.
12.	Persian	Masang.
13.	Punjabi	Kisari, Chural, Karas, Karil, Kasa Kesari, Chapa.
14.	Sanskrit	Sandika, Triputi.
15.	Sindhi	Matter.
16.	Telugu	Lamka

2.3 Prohibition and Restriction on sale of certain products

2.3.1: Prohibition on sale of food articles coated with mineral oil: No person shall sell or offer or expose for sale or have in his premises for the purpose of sale under any description, food articles which have been coated with mineral oil, except where the addition of mineral oil is permitted in accordance with the standards laid down in these Regulations and Food Safety and Standards (Food Products Standards and Food Additives) regulations, 2011.

2.3.2: Restriction on sale of Carbia Callosa and Honey dew: Carbia Callosa and Honey dew shall be sold only in sealed containers bearing Agmark seal.

2.3.3: Food resembling but not pure honey not be marketed as honey: No person shall use the word 'honey' or any word, mark, illustration or device that suggests honey on the label or any package of, or in any advertisement for, any food that resembles honey but is not pure honey.

2.3.4: Product not to contain any substance which may be injurious to health: Tobacco and nicotine shall not be used as ingredients in any food products.

2.3.5: Prohibition of use of carbide gas in ripening of fruits: No person shall sell or offer or expose for sale or have in his premises for the purpose of sale under any description, fruits which have been artificially ripened by use of acetylene gas, commonly known as carbide gas.

2.3.6: Sale of Fresh Fruits and Vegetables: The Fresh Fruits and Vegetables shall be free from rotting and free from coating of waxes, mineral oil and colours.

Provided that fresh fruits may be coated with bees wax (white and yellow) or carnauba wax or shellac wax at level not exceeding Good Manufacturing Practices under proper label declaration as provided in Regulation 2.4.5 (44) of Food Safety and Standards (Packaging and Labelling) regulations, 2011.

2.3.7: Sale or use for sale of admixtures of ghee or butter prohibited: No person shall sell or have in his possession for the purpose of sale or for use as an ingredient in the preparation of an article of food for sale a mixture of ghee or butter and any substance

(1) prepared in imitation of or as a substitute for ghee or butter, or

(2) consisting of or containing any oil or fat which does not conform to the definition of ghee;

Provided that where a mixture prohibited by this regulation is required for the preparation of an article of food, such mixture shall be made only at the time of the preparation of such article of food.

2.3.8: Restriction on sale of ghee having less Reichert value than that specified for the area where such ghee is sold.

(1) The ghee having less Reichert value and a different standard for Butyro-refractometer reading at 40° C than that specified for the area in which it is imported for sale or storage shall not be sold or stored in that area except under the 'AGMARK' seal:

Provided that such ghee may be (i) sold loose, after opening the 'AGMARK' sealed container, in quantities not exceeding two kilograms at a time, and (ii) used in the preparation of confectionery (including sweetmeats).

(2) A person selling:—

- (i) ghee in such manner as specified in Regulation 2.3.8 (1) and
- (ii) confectionery (including sweetmeats) in the preparation of which such ghee is used, shall give a declaration, in the Form A, to the Food Safety Officer when a sample thereof is taken by him for analysis under Section 47 of the Act and also to a purchaser desiring to have the sample analysed under Section 40 of the Act.
- (iii) If on analysis such sample is found to be conforming to the standards of quality prescribed for the area where it is alleged to have been produced, the ghee shall not be deemed to be adulterated by reason only that it does not conform to the standards of quality prescribed for the area where it is sold.

2.3.9 : Restriction on sale of Til Oil produced in Tripura, Assam and West Bengal:

Til Oil (Sesame Oil) obtained from white sesame seeds, grown in Tripura, Assam and West Bengal having different standards than those specified for til oil shall be sold in sealed containers bearing Agmark label. Where this til oil is sold or offered for sale without bearing an Agmark label, the standard given for til oil shall apply.

2.3.10 Restriction on sale of Kangra tea.

Kangra tea shall be sold or offered for sale only after it is graded and marked in accordance with the provisions of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) and the regulations made there under.

2.3.11: Condition for sale of flavoured tea: Flavoured tea shall be sold or offered for sale only by those manufacturers who are registered with Tea Board. Registration number shall be mentioned on the label. It shall be sold only in packed conditions with label declaration as provided in the Regulation 2.4.5 (23) of Food Safety and Standards (Packaging and Labelling) regulations, 2011.

2.3.12: Restriction on sale of common salt – No person shall sell or offer or expose for sale or have in his premises for the purpose of sale, the common salt, for direct human consumption unless the same is iodized:

Provided that common salt may be sold or exposed for sale or stored for sale for iodization, iron fortification, animal use, preservation, manufacturing medicines, and industrial use, under proper label declarations, as specified in the Regulation 2.4.5 (21 & 42) of Food Safety and Standards (Packaging and Labelling) regulations, 2011.

2.3.13: Use of flesh of naturally dead animals or fowls prohibited.

No person shall sell or use as an ingredient in the preparation of any article of food intended for sale, the flesh of any animal or fowl which has died on account of natural causes.

2.3.14: Restrictions relating to conditions for sale

(1) No person shall store, expose for sale or permit the sale of any insecticide in the same premises where articles of food are stored, manufactured or exposed for sale:

Provided that nothing in this regulation shall apply to the approved household insecticides which have been registered as such under the Insecticides Act 1968 (46 of 1968).

Explanation.—For the purpose of this regulation, the word ‘insecticide’ has the same meaning as assigned to it in the Insecticides Act, 1968 (46 of 1968).

(2) No person shall sell or serve food in any “commercial establishment” in plastic articles used in catering and cutlery, unless the plastic material used in catering and cutlery articles, conform to the food grade plastic, specified in these regulations.

Explanation:- For the purpose of the Regulation 2.3.14 (2), “commercial establishment” means any establishment, called by whatever name, being run/ managed by any person or by any authority of the Government/ Semi-Government or by any corporate/ registered body which deals in the business of selling or serving food.

(3) Iron fortified common salt shall be sold only in high density polyethylene bag (HDPE) 14 mesh, density 100 kg/m³, unlaminated package which shall bear the label as specified in the Regulation 2.4.5 (21 & 42) of Food Safety and Standards (Packaging and Labelling) regulations, 2011.

2899 GI/11-4

(4) No person shall manufacture, sell, store or exhibit for sale, an infant milk food, infant formula and milk cereal based weaning food, processed cereal based weaning food and follow up formula except under Bureau of Indian Standards Certification Mark.

(5) Condensed milk sweetened, condensed skimmed milk sweetened, milk powder, skimmed milk powder, partly skimmed milk powder and partly skimmed sweetened condensed milk shall not be sold except under Indian Standards Institution Certification Mark.

(6) Every package of cheese (hard), surface treated with Natamycin, shall bear the label as specified in the Regulation 2.4.5 (33) of Food Safety and Standards (Packaging and Labelling) regulations, 2011.

(7) No person shall sell protein rich atta and protein rich maida except in packed condition mentioning the names of ingredients on the label.

(8) No person shall sell sal-seed fat for any other purpose except for bakery and confectionery and it shall be refined and shall bear the label declaration as specified in the Regulation 2.4.5 (19) of Food Safety and Standards (Packaging and Labelling) regulations, 2011.

(9) No person shall sell confectionery weighing more than 500 gms. except in packed condition and confectionery sold in pieces shall be kept in glass or other suitable containers.

Explanation.—for the purposes of regulation 2.3.14 (9) “Confectionery, shall mean sugar boiled confectionery, lozenges and chewing gum and bubble gum”;

(10) All edible oils, except coconut oil, olive oil, imported in crude, raw or unrefined form shall be subjected to the process of refining before sale for human consumption. Such oil shall bear a label declaration as laid down in the Regulation 2.4.2 of Food Safety and Standards (Packaging and Labelling) regulations, 2011.

(11) The Blended Edible Vegetable Oils shall not be sold in loose form. It shall be sold in sealed package weighing not more than 15 litres. The container having blended edible vegetable oil shall be tamper proof. It shall also not be sold under the common or generic name of the oil used in the blend but shall be sold as “Blended Edible Vegetable Oil”. The sealed package shall be sold or offered for sale only under AGMARK certification mark bearing the label declarations as provided in the Regulations besides other labelling requirements under the Regulation 2.4.2 of Food Safety and Standards (Packaging and Labelling) regulations, 2011.

(12) Coloured and flavoured table margarine shall only be sold in a sealed package weighing not more than 500 gms, with a label declaring addition of colour and flavour as required under these regulations.

(13) The fat spread shall not be sold in loose form. It shall be sold in sealed packages weighing not more than 500 gms. The word ‘butter’ shall not be associated while labelling the product. The sealed package shall be sold or offered for sale only under AGMARK Certification mark bearing the label declaration as provided under Regulation 2.4.2 of Food Safety and Standards (Packaging and Labelling) regulations, 2011 beside other labelling requirements under these regulations.

(14) No person shall sell compounded asafoetida exceeding one kilogram in weight except in a sealed container with a label.

(15) No person shall sell powdered spices and condiments except ‘under packed conditions.

Explanation:— For the purpose of regulation 2.3.14 (15) “Spices and Condiments” means the spices and condiments as specified in 2.9 of Food Safety and Standards (Food Products Standards and Food Additives) Regulations, 2011.

(16) The katha prepared by bhatti method shall be conspicuously marked as “Bhatti Katha”

(17) No person shall manufacture, sell or exhibit for sale packaged drinking water except under the Bureau of Indian Standards Certification Mark.

(18) No person shall manufacture, sell or exhibit for sale mineral water except under the Bureau of Indian Standards Certification Mark”;

Explanation:— For the purpose of regulation 2.3.14 (18), the expression “mineral water” shall have the same meaning as assigned to it in the Regulation 2.9.7 of Food Safety and Standards (Food Products Standards and Food Additive) Regulations, 2011.

(19) No person shall sell any food product wherein artificial sweetener is permitted under these regulations, except under packed condition and as per the labelling requirements prescribed under the regulation 2.4.5 (24, 25, 26, 28 & 29) of Food Safety and Standards (Packaging and Labelling) regulations, 2011.

(20) Conditions for sale of irradiated food.- All irradiated food shall be sold in pre-packed conditions only. The type of packaging material used for irradiated food for sale or for stock for sale or for exhibition for sale or for storage for sale shall conform to the packaging and labelling requirements specified in the regulation 2.4.4 of Food Safety and Standards (Packaging and Labelling) regulations, 2011.

2.3.15: Special provisions relating to sale of vegetable oil and fat

(1) No person shall sell or expose for sale, or distribute, or offer for sale, or dispatch, or deliver to any person for the purpose of sale any edible oil –

(a) Which does not conform to the standards of quality as provided in the Food Safety and Standards Act, 2006 (34 of 2006) and rules/regulations made there under; and

(b) Which is not packed in a container, marked and labelled in the manner as specified in FSSAI regulations

Provided that the State Government may, in the public interest, for reasons to be recorded in writing, in specific circumstances and for a specific period by a notification in the Official Gazette, exempt any edible oil from the provisions of this Act.

(2) No vegetable oil shall contain any harmful colouring, flavouring or any other matter deleterious to health;

(3) No vegetable oil other than those specified under the list below or oil or fat of animal or mineral origin shall be used in the manufacture of the products or shall otherwise be present therein;

List of vegetable oils Vanaspati shall be prepared from;

- (a) Coconut oil
- (b) Cottonseed oil
- (c) Dhupa oil
- (d) Groundnut oil
- (e) Kokrum oil
- (f) Linseed oil
- (g) Mahua oil
- (h) Maize (Corn) oil
- (i) Mango kernel oil
- (j) Mustard/Rapeseed oil
- (k) Nigarseed oil
- (l) Palm oil
- (m) Phulwara oil
- (n) Rice bran oil
- (o) Sunflower (Kard/seed) oil
- (p) Salseed oil (up to 10%)
- (q) Sesame oil
- (r) Soyabean oil
- (s) Sunflower oil
- (t) Watermelon seed oil
- (u) Vegetable oils imported for edible purposes.

(4) No colour shall be added to hydrogenated vegetable oil unless so authorized by Food Authority, but in no event any colour resembling the colour of ghee shall be added. If any flavour is used, it shall be distinct from that of ghee, in accordance with a list of permissible flavours and such quantities as may be prescribed by the Food Authority

(5) No anti-oxidant, synergist, emulsifier or any other such substance other than those permitted by these regulations be added to any vegetable oil except with the prior sanction of the Food Authority.

(6) Restriction on the use of solvent.

No solvent other than n-Hexane (Food Grade) shall be used in the extraction of cocoa butter, oils and fats and edible soya flour.

The quantity solvent mentioned in the column (1) of the Table below, in the food mentioned in column (2) of the said Table, shall not exceed the tolerance limits prescribed in column (3) of the said Table:

Name of Solvent	Article of food	Tolerance limits mg/kg (ppm)
Hexane (Food Grade)	(a) Refined solvent extracted cocoa butter	5.00
	(b) Refined solvent extracted oils and fats	5.00
	(c) solvent extracted edible soya flour	10.00

FORMA

(Refer Regulation 2.3.8 (2))

Declaration

I/ We on behalf of solemnly declare that the ghee sold by me / us/ on behalf of / ghee used by me / us / on behalf of in the preparation of Confectionary (including sweetmeats) is / was from a tin containing ghee of origin and having "AGMARK" seal. The said tin pertains to batch number..... from Shri/ Shrimati/ Kumari/ Sarvri on the as per invoice / cash/ credit memo.

No..... Dated.....

Signature of Trader/ Traders

Date.....

Place.....

V. N. GAUR, Chief Executive Officer

[ADVT. III/4/187-O/11/Exty.]